BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (13.02.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE: 13.02.2025, PAGE-04

बीआरएबीयू में शुरू होगी मिथिला पेंटिंग की पढ़ाई

प्रस्ताव

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बीआरएबीयू में मिथिला पेंटिंग की पढ़ाई शुरू होगी। इम्पलीमेंट एंड मॉनिटरिंग सेल की बैठक में इसका प्रस्ताव रखा जावेगा। सेल्फ फिनांस के तहत कॉलेजों में यह कोर्स चलाने का प्रस्ताव है।

मिथिला पेंटिंग कोर्स सर्टिफिकेट कोर्स होगा और छह महीने की इसमें पढ़ाई होगी। बीआरएबीयू में इंप्लीमेंट एंड मॉनिटरिंग सेल की बैठक इसी महीने होने वाली है। वहां से पास होने के बाद कोर्स को एफलियेशन कमेटी, एकेडमिक काउंसिल और सीनेट से पास कराया जावेगा। सीनेट से पास होने के बाद इसे सरकार के पास स्वीकृति के लिए भेजा जायेगा। इंप्लीमेंट एंड मॉनिटरिंग सेल की बैठक में ही इस कोर्स में कितनी सीटें रहेंगी, यह तय किया जायेगा। अबतक ललित नारायण मिथिला विवि में यह कोर्स चलाया जा रहा था। बीआरएबीयू में पहली बार यह कोर्स चलाया जायेगा।

बॉटनी विभाग में शुरू होगा मशरूम उत्पादन का कोर्स : मिथिला पेंटिंग के अलावा बॉटनी विभाग में मशरूम उत्पादन का भी कोर्स शुरू किया जावेगा। यह कोर्स भी सर्टिफिकेट कोर्स ही होगा। बॉटनी विभाग में शॉट टर्म स्किल एनहांसमेंट कोर्स इन कंप्यूटर एंड इंफॉरमेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी की पढ़ाई भी शुरू की जायेगी।

एक कॉलेज में भगवत् गीता की भी होगी पढ़ाई

बीआरएबीयू में भगवत् गीता की भी पढ़ाई होगी। एक कॉलेज से इस कोर्स को भी शुरू करने का प्रस्ताव भेजा गया है। इंप्लीमेंट एंड मॉनिटरिंग सेल की बैठक में इस कोर्स के भी पास होने की उम्मीद है। इसके अलावा बीआरएबीयू में ब्यूटीशियन और मशरूम कल्चर की पढ़ाई नये सत्र से शुरू की जायेगी। इन कोर्सों के साथ क्लीनिकल साइकोलॉजी का कोर्स भी कुछ कॉलेजों में शुरू होगा।

कई कॉलेजों में खुलेगा पत्रकारिता का कोर्स

बीआरएबीयू के कई कॉलेजों में पत्रकारिता का कोर्स भी शुरू होगा। वोकेशनल कोर्स के तहत कॉलेजों ने इसका आवेदन दिया है। इसके अलावा कंप्यूटर लिटरेसी कोर्स, सर्टिफिकेट इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, योग का कोर्स खोलने के लिए कॉलेजों की तरफ से प्रस्ताव भेजे गये हैं, जिनपर बैठक में चर्चा की जायेगी।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE: 13.02.2025, PAGE-04

चंद्रप्रकाश के शतक से विवि अगले चक्र में

अंतर विवि

मुजफ्फरपुर, खेल संवाददाता। किट यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में चल रहे ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी मेंस क्रिकेट चैम्पियनशिप में बुधवार को बीआरएबीयू ने ओयूएटी यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर को 116 रनों से पराजित कर दूसरे चक्र में प्रवेश किया।

बीआरएबीयू की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में एक विकेट के नुकसान पर 224 रन बनाए। चन्द्रप्रकाश ने 61 गेंद में 15 चौके व छह छक्के की मदद से 120 रनों की शतकीय पारी खेली। सचिन ने सात चौके की मदद से 74 और आदर्श कुमार ने 22 रनों का योगदान अपनी टीम को दिया।

बीआरएबीयू के गेंदबाज आदिल ने दो, रोहन ने दो, ज्ञानप्रकाश ने एक, अंकित ने एक व विकाल राज ने एक-एक विकेट चटकाए। चन्द्रप्रकाश को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। बीआरएबीयू की नजर अब अगले मुकाबले पर है।

ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट में जीत के बाद बीआरएबीयू के खिलाड़ी।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 13.02.2025, PAGE-04

बीआरएबीयू के पीजी बाटनी विभाग में मशरूम कल्टीवेशन एंड स्पान प्रोडक्शन की होगी पढ़ाई

- आरबीबीएम कालेज में सर्टिफिकेट कोर्स इन गीता शुरू किए जाने की मांगी अनुमति
- विश्वविद्यालय बाटनी विभाग से नया कोर्स शुरू करने का भेजा गया है प्रस्ताव
- विश्वविद्यालय में इसी सप्ताह आइएमसी की बैठक होने की उम्मीद

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के पीजी बाटनी विभाग में मशरूम कल्टीवेशन एंड स्पान प्रोडक्शन कोर्स की पढ़ाई होगी। इसमें मशरूम को उगाने की उन्नत तकनीक की ट्रेनिंग दी जाएगी। विभाग में उगाए जाने वाले मशरूम को बाजार में बेचा जाएगा। इससे विभाग अपना आंतरिक स्त्रोत को बेहतर कर सकेगा। पीजी बाटनी विभाग में इसी विधि का इस्तेमाल कर मशरूम का स्पान या बीज तैयार किया जाएगा।

विशेषज्ञों की माने तो मशरूम की खेती में उपयोग होने वाले बीज को स्पान कहते हैं। यह एक प्रकार का वानस्पतिक बीज है जिसे सावधानी से वैज्ञानिक विधियों से प्रयोगशाला में तैयार किया जाता है। बेहतर गुणवत्ता का उत्पादन होने पर इसका सप्लाई भी किया जा सकेगा। इस कोर्स को शुरू करने का प्रस्ताव पीजी बाटनी विभाग की ओर से विश्वविद्यालय को भेजा गया है। विश्वविद्यालय में नए वोकेशनल कोर्स के संचालन समेत अन्य प्रस्तावों पर विचार के लिए विश्वविद्यालय में आइएमसी (इंप्लीमेंटेशन एंड मानिटरिंग कमिटी) की बैठक होनी है। इसी बैठक में विभिन्न कालेजों और पीजी विभागों से भेजे गए नए कोर्स को शुरू करने का प्रस्ताव है। बताया जा रहा है कि आइएमसी की बैठक विश्वविद्यालय में इसी सप्ताह होगी। दूसरी ओर सीएन कालेज साहेबगंज से डेयरी फार्म कोर्स संचालन का प्रस्ताव भेजा गया है।

एलएनटी कालेज में सेल्फ फाइनेंस मोड के कोर्स शुरू होंगे : एलएनटी कालेज में सेल्फ फाइनेंस मोड के कोर्स के साथ-साथ वोकेशनल कोर्स शुरू करने किए जाने का प्रस्ताव भेजा गया है।

सेल्फ फाइनेंस मोड में समाजशास्त्र, भूगोल और संगीत की पढ़ाई शुरू होगी। वहीं बीबीए और बीएमसी कोर्स शुरू किए जाने का भी प्रस्ताव है। जीवछ कालेज मेतीपुर में सीसीए (सर्टिफिकेट कोर्स इन कंप्यूटर एप्लीकेशन) और सीएलसी (कंप्यूटर लाइब्रेरी कोर्स), आरसी कालेज सकरा में सीसीए और सीएलसी व कई कालेजों में बीबीए, बीसीए, बीलिस कोर्स शुरू करने के लिए अनुमति मांगी गई है।

आरबीबीएम कालेज में शुरू होंगे पांच सर्टिफिकेट कोर्स

आरबीबीएम कालेज में पांच नए सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव भेजा गया है। इसमें ब्यूटीशियन केयर, मधुबनी पेंटिंग, क्लीनिकल साइकालोजी एंड काउंसिलिंग, मशरूम कल्चर और सर्टिफिकेट कोर्स इन गीता समेत अन्य कोर्स शामिल हैं। दूसरी ओर पिछले वर्ष भी कालेज की ओर से करीब 11 वैल्यु एडेड कोर्स के संचालन की प्रस्ताव भेजा गया था।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE:13.02.2025, PAGE-04

बीआरएबीयू. पीजी बॉटनी विभाग में चलाया जायेगा पाठ्यक्रम

मशरूम कल्टीवेशन एंड स्पान प्रोडक्शन कोर्स की होगी पढ़ाई

□ नये वोकेशनल कोर्स के प्रस्तावों पर विचार के लिए विवि में आइएमसी की बैठक में होगा निर्णय

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू के पीजी बॉटनी विभाग में मशरूम कल्टीवेशन एंड स्पान प्रोडक्शन कोर्स की पढ़ाई होगी. इस कोर्स को शुरू करने का प्रस्ताव पीजी बॉटनी विभाग की ओर से विवि को भेजा है. विवि में नये वोकेशनल कोर्स के संचालन समेत अन्य प्रस्तावों पर विचार के लिए विवि में आइएमसी (इंप्लीमेंटेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी) की बैठक होनी है. इसी बैठक में विभिन्न कालेजों व पीजी विभागों से भेजे गए नये कोर्स को शुरू करने का प्रस्ताव है. बताया जा रहा है कि आइएमसी की बैठक में विवि में इसी सप्ताह होगी. दूसरी ओर सीएन कॉलेज साहेबगंज से डेयरी फार्म कोर्स संचालन का प्रस्ताव भेजा है. वहीं आरबीबीएम कॉलेज में पांच नये सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने का प्रस्ताव भेजा गया है. इसमें ब्यूटीशियन केयर, मधुबनी पेंटिंग, क्लीनिकल साइकोलॉजी एंड काउंसिलिंग, मशरूम कल्चर व सर्टिफिकेट कोर्स इन गीता समेत अन्य कोर्स शामिल हैं. दूसरी ओर पिछले वर्ष भी कॉलेज की ओर से करीब 11 वैल्यू एडेड कोर्स के संचालन की प्रस्ताव भेजा गया था.

एलएनटी कॉलेज में सेल्फ फाइनेंस मोड के कोर्स शुरू होंगे

एलएनटी कॉलेज में सेल्फ फाइनेंस मोड के कोर्स के साथ-साथ वोकेशनल कोर्स शुरू करने किए जाने का प्रस्ताव भेजा है. सेल्फ फाइनेंस मोड में समाजशास्त्र, भूगोल व संगीत की पढ़ाई शुरू होगी. वहीं बीबीए व बीएमसी कोर्स शुरू किए जाने का भी प्रस्ताव है.

मशरूम उगाने की नयी तकनीक से देंगे ट्रेनिंग

पीजी बॉटनी विभाग में मशरूम को उगाने की उन्नत तकनीक की ट्रेनिंग दी जायेगी. विभाग में उगाये जाने वाले मशरूम को बाजार में बेचा जायेगा. इससे विभाग अपना आंतरिक स्त्रोत को बेहतर कर सकेगा. पीजी बॉटनी विभाग में इसी विधि का इस्तेमाल कर मशरूम का स्पान या बीज तैयार किया जायेगा. विशेषज्ञों की मानें तो मशरूम की खेती में उपयोग होने वाले बीज को स्पान कहते हैं. यह एक प्रकार का वानस्पतिक बीज है जिसे सावधानी से वैज्ञानिक विधियों से प्रयोगशाला में तैयार किया जाता है. बेहतर गुणवत्ता का उत्पादन होने पर इसका सप्लाई भी किया जा सकेगा.

□ खबर वेबसाइट पर पढ़ने के लिए स्कैन करें.

एक बार एडमिशन रजिस्टर में सुधार सकते हैं नाम

मुजफ्फरपुर.सरकारी और निजी स्कूलों में दाखिला लेने वाले छात्र-छात्राओं का नाम एडमिशन रजिस्टर में सुधारा जा सकता है. इसको लेकर शिक्षा विभाग के सचिव बैद्यनाथ यादव ने डीइओ को पत्र भेजा है.सचिव ने कहा है कि अपार आइडी बनाने में बच्चों का नाम, लिंग, अभिभावक का नाम रजिस्टर और आधार कार्ड पर एक समान होना चाहिए. बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे हैं, जिनके आधार कार्ड और एडमिशन रजिस्टर पर दर्ज नाम के स्पेलिंग में भिन्नता है. इस कारण उनकी अपार आइडी नहीं बन पा रही है. ऐसे में उन्होंने निर्देश दिया है कि बच्चों के माता-पिता से प्राप्त पर्याप्त साक्ष्य, जन्म प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, अदालती हलफनामा आदि दस्तावेजों के आधार पर एडमिशन रजिस्टर में एक बार सुधार किया जा सकता है.